VISION IAS

www.visionias.in

GENERAL STUDIES (TEST CODE : 1512)

Name of Candidate	ANKIT KUMAR JAIN		
Medium Hindi/Eng.	HINDI	**Registration Number**	649298
Center	JAIPUR	**Date**	2-12-21

INDEX TABLE

Q. No.	Maximum Marks	Marks Obtained
1(a)	10	
1(b)	10	
2(a)	10	
2(b)	10	
3(a)	10	
3(b)	10	
4(a)	10	
4(b)	10	
5(a)	10	
5(b)	10	
6(a)	10	
6(b)	10	
6(c)	10	
7	20	
8	20	
9	20	
10	20	
11	20	
12	20	

Total Marks Obtained:

Remarks:

Signature of Examiner

INSTRUCTIONS

1. Do furnish the appropriate details in the answer sheet (viz. Name, Registration Number and Test Code).
   उत्तर पुस्तिका में सूचनाएं भरना आवश्यक है (नाम, प्रश्न–पत्र कोड, विद्यार्थी क्रमांक आदि)।
2. There are **TWELVE** questions printed in **ENGLISH & HINDI**
   इसमें बारह प्रश्न हैं अंग्रेजी और हिन्दी में छपे हैं।
3. **All questions are compulsory.**
   सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।
4. The number of marks carried by a question/part is indicated against it.
   प्रत्येक प्रश्न/भाग के अंक उसके सामने दिए गए हैं।
5. Answers must be written in the medium authorized in the Admission Certificate, which must be stated clearly on the cover of this Question-Cum-Answer (QCA) Booklet in the space provided. No marks will be given for answers written in medium other that the authorized one.
   प्रश्नों के उत्तर उसी माध्यम में लिखे जाने चाहिए जिसका उल्लेख आपके प्रवेश पत्र में किया गया है और उस माध्यम का स्पष्ट उल्लेख प्रश्न–सह–उत्तर (क्यूसीए) पुस्तिका के मुख्य पृष्ठ पर अंकित निर्दिष्ट स्थान पर किया जाना चाहिए। उल्लिखित माध्यम के अतिरिक्त अन्य किसी माध्यम में लिए गए उत्तर पर कोई अंक नहीं मिलेंगे।
6. Word limit in questions, if specified, should be adhered to.
   प्रश्नों में शब्द सीमा, जहाँ विनिर्दिष्ट है, का अनुसरण किया जाना चाहिए।
7. Any page or portion of the page left blank in the Question-Cum-Answer Booklet must be clearly struck off.
   उत्तर पुस्तिका में खाली छोड़ा हुआ पृष्ठ या उसके अंश को स्पष्ट रूप से काटा जाना चाहिए।

EVALUATION INDICATORS

1. Contextual Competence
2. Content Competence
3. Language Competence
4. Introduction Competence
5. Structure - Presentation Competence
6. Conclusion Competence

Overall Macro Comments / feedback / suggestions on Answer Booklet:

1.

2.

3.

4.

5.

6.

All the Best

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

SECTION – A

1. (a) Persuasion plays an important role in public administration. Discuss. Also highlight the various elements of effective persuasion.

(150 words) 10

लोक प्रशासन में अनुनय-विनय (या समझाना-बुझाना) महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। चर्चा कीजिए। साथ ही, प्रभावी अनुनय-विनय के विभिन्न तत्वों पर भी प्रकाश डालिए।

किसी दूसरे व्यक्ति / समूह को अपने विचारो के अनुकूल बनाना, अनुनय-विनय कहलाता है।
उदा. – स्वच्छ भारत अभियान मे बाहर शौच न करने हेतु)

लोक प्रशासन मे भूमिका

↳ विविधता मे भी एकमत बनाए रखने हेतु
उदा० – विरोध प्रदर्शन को कम करने हेतु

↳ विरोधाभासो से बचने हेतु
उदा.– ईद-होली त्यौहार पर साम्प्रदायिकता से बचने हेतु

↳ वस्तुनिष्ठ व सर्वोत्तम निर्णय तक पहुंचने मे

↳ समान अवसरों की उपलब्धि को सुनिश्चित करने हेतु (सबको लेकर चलने हेतु

↳ उत्तम कार्यसंस्कृति बनाए रखने हेतु

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

अनुनय विनय के तत्व

वार्ता करना
→ संपर्क स्थापित कर अपनी बाते बताना

भय उत्पन्न करना
→ कानून विधि अथवा अन्य किसी को भय उत्पन्न होने देना
उदा. कोविड मे मास्क

मित्र-परिवार आदि से दबाव बनाना
उदा. — हेलमेट पहनने हेतु परिवार का दबाव ताकि दुर्घटना मे जान बच सके।

मूल्यो को विकसित करना
→ शिक्षा
- संस्कार
रोलमॉडल आदि
धर्मगुरुओं/शास्त्रों के माध्यम से
उदा. सहिष्णुता चोरी न करना

अनुनय विनय एक उपकरण है जो प्रशासन मे ही नही अपितु दैनिक जीवन मे भी सुगमता और समझाने की तकनीक विकसित जीवन को आसान बनाता है।

Don't write anything this margin
(इस भाग में कुछ ना लिखें)

1. (b) "Never do anything against the conscience even if the state demands it." In this context, discuss the role of conscience in taking ethical decisions in administration. (150 words) 10

"कभी भी अंतर्रात्मा के विरूद्ध कुछ न कीजिए, भले ही राज्य इसकी माँग करे।" इस संदर्भ में, प्रशासन में नैतिक निर्णय लेने में अंतर्रात्मा की भूमिका की विवेचना कीजिए।

अपनी स्वयं की आत्मा से दुविधा उत्पन्न होने की दशा में निर्णय की माँग, अन्तरात्मा की आवाज कहलाती है

↳ महात्मा गाँधी द्वारा निर्णय अन्तरात्मा की आवाज पर ही लिए जाते थे।

नैतिक निर्णय में अन्तरात्मा की भूमिका

↳ प्रशासन में दुविधा की स्थिति में
उदा० - ईमानदारी v/s निजी हित

↳ मूल्यों के वरीयता सूची में रखने पर
उदा० ईमानदारी v/s सत्यनिष्ठा

↳ वस्तुनिष्ठ निर्णयों की प्राप्ति में

↳ सम्बन्धों को विकसित तथा पल्लवित करने में।

Don't write anything this margin
(इस भाग में कुछ ना लिखें)

↳ सही गलत को पहचानने में।
↳ राजनीतिक दबावों से मुक्त होने में।
↳ समता, बन्धुत्व जैसे संवैधानिक मूल्यों को रक्षित करने में।

उदा० - टी.एन. शेषन द्वारा राजनीतिक दलों के दबाव पर भी निर्णय में ~~स्थिरता~~ स्थिरता उनकी मजबूत अन्तआत्मा की स्थिति को दिखाता है।

- सत्येन्द्र दुबे (NHAI अभियन्ता) द्वारा किसी भी दबाव के आगे न झुकना।

अन्तआत्मा नैतिक दुविधा की स्थिति में न केवल सफल मार्गदर्शन करती है अपितु सभी प्रकार के दबावों से मुक्त कर उच्च मानसिक स्थिति को प्राप्त करवाती है।

Don't write anything this margin
(इस भाग में कुछ ना लिखें)

2. **(a)** Raja Ram Mohan Roy's liberal views on social and religious issues have much relevance in present day India. Discuss. **(150 words) 10**

सामाजिक और धार्मिक मुद्दों पर राजा राम मोहन राय के उदार विचारों की वर्तमान भारत में काफी प्रासंगिकता है। चर्चा कीजिए।

20वीं सदी के पूर्वार्द्ध मे भारतीय नवजागरण के पुरोधा राजा राम मोहन राय ने अपने विचारो से भारत को मध्यकालीन जड़ता से मुक्त कर आधुनिक मूल्यो से अवगत कराया।

विचारो की प्रासंगिकता

- पत्रकारिता के पुरोधा राय स्वतंत्र पत्रकारिता के समर्थक थे जो वर्तमान पत्रकारिता की आवश्यकता है
- राय सामाजिक कुरीतियो के खिलाफ थे जैसे सती प्रथा, नारी की शिक्षा पर रोक वर्तमान मे भी कई मुद्दे जैसे अस्पृश्यता, नारी अशिक्षा, बाल विवाह आदि पर उनके विचार प्रासंगिक है

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

↳ राय, धार्मिक रूढ़िवादिता के विरोधी थे। वे सहनशीलता के समर्थक थे। वर्तमान में बढ़ते साम्प्रदायिक ध्रुवीकरण, आतंकवाद, कट्टरवाद में सहनशीलता जैसे मूल्य तथा उदारवाद गुण आवश्यक है।

↳ वे सती को सही कहते थे। इस हेतु वे अपनी माँ व परिवार का विरोध भी करते थे। लोकतंत्र में रहने के और लोकतंत्र वर्तमान समय की आवश्यकता है।

↳ राय विद्वान तथा कई किताबों के लेखक थे जैसे संवाद कौमुदी। वर्तमान में शिक्षण संस्थानों में गुणवत्तात्मक, मूल्यों आधारित शिक्षा व किताबों के प्रति युवाओं में रूचि की आवश्यकता है।

राय जैसे महान विचारक अपनी दूरदृष्टि के कारण सर्वकालिक प्रासंगिक महापुरुष है।

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

2. **(b)** The moral circle of humanity has been expanding constantly over time. Discuss in this context whether non-human entities should have the same rights as humans beings. **(150 words) 10**

समय के साथ मानवता का नैतिक दायरा निरंतर विस्तृत होता जा रहा है। इस संदर्भ में, चर्चा कीजिए कि क्या गैर-मानव जातियों के मनुष्यों की भांति समान अधिकार होने चाहिए।

बढ़ती तकनीक युक्त जीवन-शैली और बदलते जीवन मूल्यो के कारण नैतिकता का स्वरूप भी बदला है।

पर्यावरण की चुनौतियों ने हितधारकों में बदलाव किया है तथा गैरमानव जातियों (पशु-पक्षियों) के अधिकारों पर भी प्रकाश डाला है।

भारत में श्रीमती रुक्मिणी देवी अरुंडेल के प्रयासों से पशु क्रूरता निवारण अधि., 1968 ने पशु अधिकारों को रेखांकित किया है।

इसके अतिरिक्त वन्य जीव सुरक्षा अधि. 1972
वन संरक्षण अधि. 1980
जैव विविधता अधि. 2002
तथा PETA जैसे संगठनों ने पशु अधिकारों की वकालत की है।

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

परन्तु इसमे कई मुद्दे भी शामिल है -

1) मांसाहार करना या शाकाहारी होना
2) मानव - पशु संघर्ष मे वरीयता
3) पर्यावरण बनाम विकास
4) पर्यावरण संतुलन - निजी हित।

ऐसी स्थितियो में पशु अधिकारो की स्थिति प्रश्नो के घेरे मे आ जाती है। 'सर्वे भवन्तु सुखिन:' के सिद्धान्त पर आधारित भारतीय चिन्तन मे सभी के जीवन अधिकारो को समाहित किया है अत: एक सन्तुलित दृष्टिकोण रखते हुए पशु अधिकारो के प्रति विमर्श तथा जागरूकता मे वृद्धि करने की आवश्यकता है तथा शिक्षा के माध्यम से संवेदनशीलता भी बढ़ाने की आवश्यकता है।

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

3. What do each of the following quotations mean to you?

निम्नलिखित में से प्रत्येक उद्धरण के आपके लिए क्या मायने हैं?

(a) "Each individual is capable of transforming his immediate environment by attempting a radical transformation inside him". – J Krishnamurti

(150 words) 10

"प्रत्येक व्यक्ति अपने अंदर आमूल-चूल परिवर्तन का प्रयास कर अपने समीपवर्ती परिवेश को रूपांतरित करने में सक्षम है।"- जे. कृष्णमूर्ति

'अहं ब्रह्मास्मि' जैसे सिद्धान्त को समर्थित यह उद्धरण मनुष्य की क्षमताओं को विस्तारित करने व बड़े बदलावों का अगुआ बनने हेतु प्रेरित करता है।

जिस प्रकार पौराणिक किरदार हनुमान जी अपनी क्षमताओं को पहचानकर महासागर लांघ गए थे वैसे ही प्रत्येक मनुष्य असीम क्षमताओं का धारक है। और परिस्थितियों का निर्माता भी।

महात्मा गाँधीजी ने भी जब भारत में आकर कांग्रेस में परिवर्तन किया जैसे AICC का गठन आदि; उसकी वैचारिक पृष्ठभूमि में परिवर्तन किया जिससे कांग्रेस के

अंदर हुए परिवर्तन ने उसे राष्ट्रीय आंदोलन का मुख्य संगठन बना दिया।

अपने अंदर की क्षमताओं को पहचान करने हेतु अभिवृत्ति को समझना आवश्यक है। यह जन्मजात भी हो सकती है अथवा महान प्रयासों से अर्जित भी।

अभिवृत्ति की पहचान हेतु योग, आत्मपरिष्कार, चिन्तन मनन, आदि कार्य किए जा सकते हैं। अभिवृत्ति + कौशल → बदलाव

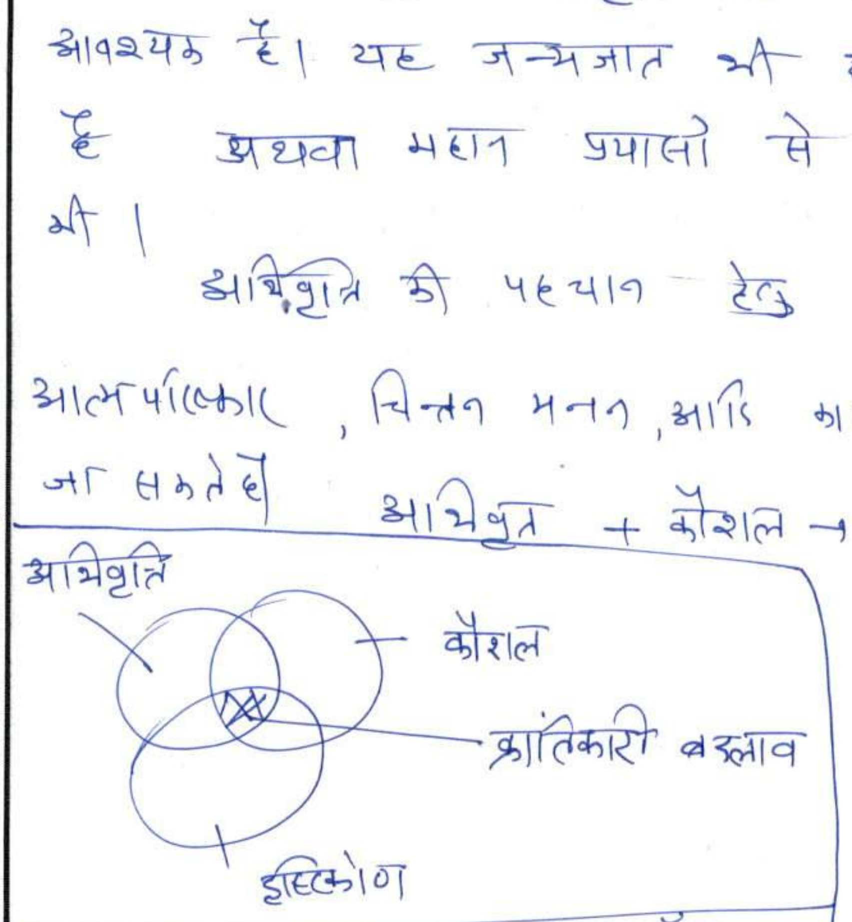

चित्र: क्रांतिकारी बदलाव हेतु दशाएं।

महात्मा गांधी कहते थे बदलाव बाहर से नहीं भीतर से शुरू होता है जो बाहर की दुनियाँ को बदल देता है।

Don't write anything this margin
(इस भाग में कुछ ना लिखें)

3. **(b)** "True compassion means not only feeling another's pain but also being moved to help relieve it". - Daniel Goleman **(150 words) 10**

"सच्ची सहानुभूति का अर्थ न केवल दूसरों की पीड़ा महसूस करना, अपितु उस पीड़ा से राहत दिलाने में सहायता के लिए आगे बढ़ना भी है।" - डैनियल गोलमैन

प्रसिद्ध मनोवैज्ञानिक डेनियल गोलमैन की पुस्तक Emotional Intelligence; why it is better the IQ मे बताए गए भावनात्मक बुद्धिमता के 5 तत्वो मे से एक तत्व सहानुभूति (compassion) के बारे मे है।

किसी सड़क पर बैठे हुए ठण्ड से ठिठुरते व्यक्ति देखकर दुखी होना → करुणा (Empathy)

उसके लिए कम्बल की व्यवस्था करना → सहानुभूति (Compassion)

पीड़ा की अनुभूति करना अच्छा है परन्तु उस पीड़ा को दूर करने हेतु प्रयास करना ही सच्चे अर्थो मे मानवीय गुणो का प्रतिनिधित्व है।

ईश्वर चन्द्र विद्यासागर ने भिक्षा माँगते बच्चे को पैसे न देकर रोजगार उपलब्ध कराना → दूरदृष्टि पैदा करता है तथा स्थायी समाधान की ओर ले जाता है

↳ सिविल सेवक को वस्तुनिष्ठ निर्णय / नीतिगत निर्णय मे अधिक करुणामयी बनाता है जो कल्याणकारी राज्य की भावना के अनुरूप है।

↳ ~~अवसर~~

बढ़ती हुई असमानता; कोविड के बाद बदलते अर्थचक्र मे सहानुभूति जैसे मूल्य सुभेद्य वर्गों (SC/ST/~~OBC~~ महिला/ LGBTQ+) को अधिक आगे बढ़ने मे मदद करेंगे जिससे समावेशी विकास सुनिश्चित हो सके।

Don't write anything this margin
(इस भाग में कुछ ना लिखें)

4. **(a)** An important requisite for ensuring probity in governance is absence of corruption. Analyse. **(150 words) 10**

शासन व्यवस्था में ईमानदारी (प्रोबिटी) सुनिश्चित करने के लिए एक आवश्यक तत्व भ्रष्टाचार का अभाव है। विश्लेषण कीजिए।

प्रोबिटी : जीवन मे निजी तथा सार्वजनिक भूमिका मे बिना दिक्-काल (समय-स्थिति) के ईमानदारी, सत्यनिष्ठा आदि गुणों का पालन प्रोबिटी कहलाता है।

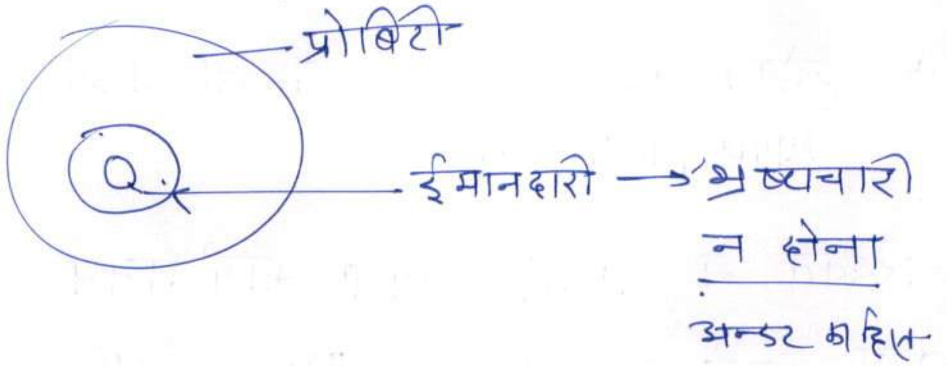

चित्र : ईमानदारी; प्रोबिटी का सम्बन्ध

भ्रष्ट आचरण जीवन मे कई संकटो को जन्म देता है। आर्थिक लाभो के हेतु जीवन मूल्यो का अवमान भ्रष्टाचार का स्वरूप है।

Don't write anything this margin
(इस भाग में कुछ ना लिखें)

~~उदा~~. उदा. - किसी ~~भी~~ पुलिसकर्मी के न होने पर चौराहे पर लाल बत्ती को देखकर रुकना प्रोबिटी है।

ए. पी. जे. अब्दुल कलाम की पुस्तक 'मेरे सपनो का भारत' मे भ्रष्टाचार मुक्त भारत हेतु ईमानदारी को आवश्यक माना है जो कि जीवन मूल्यो से ही सीखा जा सकता है। (समाज, परिवार, शिक्षा))

रिश्वत न लेना, अपना कार्य समय पर करना, पूरी निष्ठा पूर्वक दायित्व निर्वहन, समय पर कार्यालय आना आदि भ्रष्ट न होने के उदाहरण है जो जीवन मे नैतिकता को स्थापित करते है

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

4. **(b)** The right to information (RTI) and the right to privacy (RTP) complement each other in holding the government accountable to the people, however, in cases of conflict, they can be reconciled keeping public interest in mind. Discuss. **(150 words) 10**

सूचना का अधिकार (RTI) और निजता का अधिकार (RTP) सरकार को लोगों के प्रति जवाबदेह बनाए रखने में एक-दूसरे के पूरक हैं, तथापि, संघर्ष की स्थिति में, जनहित को ध्यान में रखते हुए उनमें सामंजस्य स्थापित किया जा सकता है। चर्चा कीजिए।

सूचना का अधिकार → पारदर्शिता ↑
2005

निजता का अधिकार → गोपनीयता ↑
(मूल अधि० – Art-21)

मुद्दे: किसी नागरिक की जानकारी, सूचना के अधिकार के तहत प्रदान की जाए अथवा नही।

: निजी कंपनियों द्वारा आधार डेटा का प्रयोग।

इस सम्बन्ध मे सूचना का अधिकार, 2005 की धारा – 8 सूचना के सम्बन्ध मे युक्तियुक्त प्रतिबन्ध लगाता है।

किसी की भी निजी जानकारी सार्वजनिक करना चूंकि मूल अधिकारों का उल्लंघन है तथा Art 21 सर्वोपरि है अतः बिना तृतीय पक्ष कि सहमति के जानकारी नहीं दी जा सकती।

इसलिए दोनो ही पक्षो मे शासन मे संतुलन बनाए रखना आवश्यक है जो कि समाज की बेहतरी के लिए भी आवश्यक है

Don't write anything this margin
(इस भाग में कुछ ना लिखें)

5. **(a)** Explain the ethical issues involved in spending government funds for advertisement campaigns and publicity. **(150 words) 10**

विज्ञापन अभियानों और प्रचार के लिए सरकारी धन खर्च करने में शामिल नैतिक मुद्दों को स्पष्ट कीजिए।

हाल ही मे उच्चतम न्यायालय ने सरकारी विज्ञापनो मे मंत्री, अधिकारियो के फोटो को प्रतिबंधित किया है तथा इसे सरकारी धन के दुरुपयोग की संज्ञा दी है

नैतिक मुद्दे :

↳ वित्तीय औचित्यता के सिद्धान्त का अभाव

↳ स्वप्रचार हेतु सरकारी धन का दुरुपयोग।

↳ राजनीतिक लाभ हेतु जनकल्याण के धन का उपयोग

↳ ईमानदारी तथा प्रोबिटी जैसे गुणो का अभाव

Don't write anything this margin
(इस भाग में कुछ ना लिखें)

↳ अन्य राजनीतिक प्रतिभागियों हेतु असंतुलित चुनावी मैदान

↳ ~~सर~~ सरकारी धन से जनकल्याणकारी नीतियों के निर्माण में कमी

इस प्रकार सरकारी धन का उपयोग पूर्ण रूप से उचित कार्यों में ही करना चाहिए। जैसे कि

↳ आवश्यक होने पर ही विज्ञापन जन प्रचार हेतु

↳ विज्ञापनों की पुनरावृत्ति पर रोक

↳ ~~मुख्य~~ प्रधानमंत्री / मुख्यमंत्री / राज्यपाल / राष्ट्रपति / उपराष्ट्रपति के अतिरिक्त अन्य का फोटो न लगाना

अतः संसाधनों के दबाव से जूझने के दौरान विज्ञापनों पर खर्च, विवेक पर प्रश्न खड़े करता है अतः सरकारी धन को स्वयं का धन समझकर उसे विवेकपूर्वक खर्च करना चाहिए।

Don't write anything this margin
(इस भाग में कुछ ना लिखें)

5. **(b)** Explaining the concept of political neutrality, discuss its significance in administration. Also, highlight how the Central Civil Services (Conduct) Rules seek to ensure political neutrality in the civil services.

(150 words) 10

राजनीतिक तटस्थता की अवधारणा की व्याख्या करते हुए, प्रशासन में इसके महत्व की विवेचना कीजिए। साथ ही, इस बात पर भी प्रकाश डालिए कि कैसे केंद्रीय सिविल सेवा (आचरण) नियमावली सिविल सेवाओं में राजनीतिक तटस्थता सुनिश्चित करने का प्रयास करती है।

राजनीतिक तटस्थता : किसी भी दल के प्रति पूर्वाग्रह न रखते हुए पूर्ण रूप से निष्ठापूर्वक अपने दायित्वों का निर्वहन राजनीतिक तटस्थता कहलाती है।

उदा. पूर्व राष्ट्रपति ए. पी. जे. अब्दुल कलाम राष्ट्रपति पद के दौरान

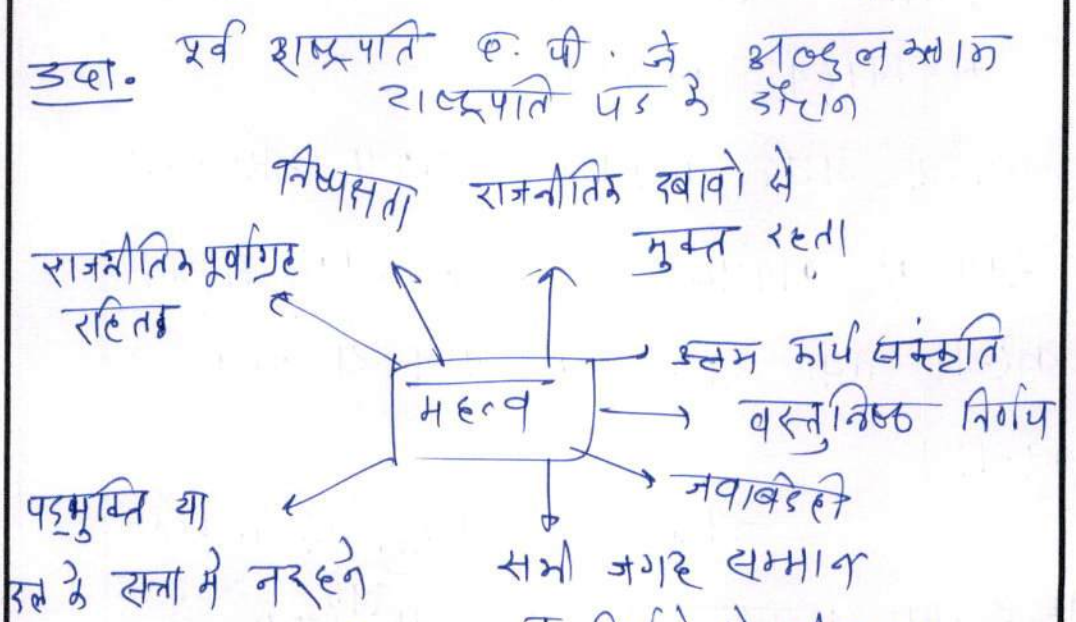

संविधान मे कई पद गैर राजनैतिक है जैसे — राष्ट्रपति, उपराष्ट्रपति, लोकसभाध्यक्ष राज्यपाल आदि।

सिविल सेवा आचरण नियमावली, 1964

मे निम्न नियम है -

↳ सिविल सेवक राजनीतिक दल मे शामिल नही होगा।

↳ दल की राजनीतिक सभाओ, नीतियो आदि का प्रचार नही करेगा।

↳ चुनावो मे पूरी निष्पक्षता के साथ दायित्वो का निर्वहन करेगा।

↳ मीडिया आदि मे संयमित वक्तव्य जारी करेगा।

↳ स्वयं को कार्यपालिका मे पीछे रखकर ही कार्य करेगा। तथा सरकार के नाम से कार्य करेगा।

उपरोक्त नियम सुनिश्चित करते है कि स्थायी कार्यपालिका राजनीतिक रूप से तटस्थ रहे तथा राजनीतिक कार्यपालिका को सही, अथ· वस्तुनिष्ठ सलाह दे सके व नीतियो का क्रियान्वयन कर सके

Don't write anything this margin
(इस भाग में कुछ ना लिखें)

6. **(a)** In light of the recurring issues, there is a constant need to search for better ethical frameworks and models of corporate governance. Discuss with adequate examples and evidence in support of your arguments.

(150 words) 10

आवर्ती मुद्दों के आलोक में, कॉर्पोरेट शासन के बेहतर नैतिक ढांचे और मॉडलों की खोज करने की निरंतर आवश्यकता है। अपने तर्कों के समर्थन में यथोचित उदाहरणों और साक्ष्यों के साथ विवेचना कीजिए।

कॉरपोरेट-शासन

↳ निजी संगठनों द्वारा अपने उद्देश्यों की पूर्ति हेतु अपनाया जाने वाला नीति निर्माण तथा क्रियान्वयन तंत्र कॉर्पोरेट शासन कहलाता है।

उदा. रिलायंस कंपनी द्वारा अपने उत्पादों के निर्माण से विक्रय तक का तंत्र जिस नियमावली व सूचना पर निर्भर है — वह उसका कॉर्पोरेट शासन है।

बेहतर नैतिक ढांचे व मॉडलों की खोज की आवश्यकता

↳ निरंतर बदलते तकनीकी वातावरण से
↳ नई-नई चुनौतियों से

Ex. — कोविड का आना
— 5G का आना

Don't write anything this margin
(इस भाग में कुछ ना लिखें)

↳ नैतिक मूल्यो मे गिरावट
उदा० – नीरव मोदी
विजय माल्या

↳ विनियामक तंत्र मे कमजोरियो का होना
उदा० – PMC बैंक का फेल होना

↳ संसाधनो के उचित वितरण का नही पहुंचना
↳ असमानता मे वृद्धि
↳ सामाजिक विद्वेष मे वृद्धि
↓
निजी क्षेत्र मे आरक्षण की मांग
हरियाणा मे।

नरेश चन्द्रा समिति की सिफारिशो के अनुरूप कॉर्पोरेट शासन को सुनिश्चित करना चाहिए ताकि पर्यावरण, समाज आदि सभी हितधारको शामिल किया जा सके

6. **(b)** Gender inequality begins at home and then gets institutionalised at the societal level. Discuss. **(150 words) 10**

लैंगिक असमानता घर से शुरू होती है और फिर सामाजिक स्तर पर संस्थागत हो जाती है। चर्चा कीजिए।

लिंग के आधार पर महिला - पुरुष - ट्रांसजेंडर आदि मे भेदभाव पूर्ण व्यवहार करना / मनोवृति रखना

⇑

लैंगिक असमानता

⇓

निजी जीवन मे यह परिवार के मूल्यो से प्रारंभ

- रुढ़िगत परिवार — लैंगिक असमानता ↑
- प्रगतिशील परिवार — लैंगिक असमानता ↓

समाज मे यह मूल्य समय के साथ विकसित होता है जो एक-दूसरे के साथ बढ़ता जाता है

उदा० - आदिवासी समाज में लिंग असमानता ↓

ग्रामीण समाज मे लैंगिक असमानता ↑

दुष्प्रभाव → लिंग चयन की समस्या
↓
लिंगानुपात कम

→ महिलाओ को अवसरो मे कमी

↓ शिक्षा ↓ | ↓ स्वास्थ्य ↓ | ↓ व्यवसाय ↓

लैंगिक असमानता को दूर करने हेतु उपाय

↳ मूल्य आधारित शिक्षा
↳ भूमिका निर्वहन — पुरुष द्वारा घरेलू कार्य करना
↳ सहकारी संपर्क → Co-education
↳ समानता, बंधुत्व, Art-47 जैसे संवैधानिक मूल्यो को विकसित करना
↳ महिला Role Model जैसे इन्दिरा गाँधी, इन्द्रा नूई, टीना डाबी आदि का प्रचार करना।

एक समाज की प्रगति वहाँ की महिलाओ की प्रगति से मापी जानी चाहिए। – डॉ. अंबेडकर

Don't write anything this margin
(इस भाग में कुछ ना लिखें)

6. (c) Stakeholder Capitalism is suggested as a way forward in wake of social, economic and environment challenges posed by Shareholder Capitalism. Examine the relevant arguments in this debate. **(150 words) 10**

हितधारक पूँजीवाद को शेयरधारक पूँजीवाद द्वारा उत्पन्न की गई सामाजिक, आर्थिक और पर्यावरणीय चुनौतियों के मद्देनजर आगे की राह के रूप में सुझाया जाता है। इस वाद-विवाद से जुड़े तर्कों का परीक्षण कीजिए।

हितधारक पूंजीवाद → संगठन द्वारा सभी हित-धारकों के लाभों के अनुरूप नीति निर्माण कर लाभ का अर्जन करना
ex. CSR

शेयरधारक पूंजीवाद → संगठन द्वारा शेयर धारकों को अधिक लाभ हो इस हेतु नीति निर्माण व क्रियान्वयन करना।

वर्तमान मे हितधारक पूंजीवाद बेहतर है क्योंकि

- बढ़ते पर्यावरणीय संकट से निपटने मे
- बढ़ती असमानता को कम करने मे
- संसाधनों के समवितरण मे
- सामाजिक विद्रोह से निपटने मे
- समाज के सभी वर्गों के विकास मे

Don't write anything this margin
(इस भाग में कुछ ना लिखें)

↳ कंपनी / संगठन की नैतिक जिम्मेदारी के निर्वहन में

↳ संगठन की Brand Image बनाने में।

↳ Corporate Governance को लाने में

↳ CSR की पूर्ति हेतु

इस हेतु भारत सरकार द्वारा भी नरेश चन्द्रा समिति ने कई बातों पर बदलाव हेतु सुझाव प्रदान किए हैं ताकि हित धारक पूंजीवाद के साथ भारतीय निजी क्षेत्र जुड़ सके।

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

SECTION – B

In the following questions, carefully study the cases presented and then answer the questions that follow (in around 250 words):

7. Mr. X is a renowned Architect. He receives a contract of Rs. 500 crores to design and lead a building project that would not only be an architectural landmark but also involves engineering challenges the solutions for which would change the industry. The building would house the headquarters of a successful company Fictitious Corp. Its chairman, Mr. Y is renowned for his acumen as well as temper. After spending time on the drawing board, Mr. X comes up with an innovative design which in itself is a masterpiece. His office had to lay out the plan and then coordinate with the engineering firms to execute it to perfection. The building is constructed in record time and is praised for its ingenuity and the experts also look at it as an engineering milestone.

After six months of its construction, Ms. Z, a doctoral student of mathematics, visits the building for her work on structural engineering calculations. She has immense respect for Mr. X's work. However, she finds that her calculations do not satisfy the requirements of structural integrity for which the building has been widely hailed. She realizes that the building's structure has a deficiency based on the bolted beams used for structural support; this was inadequate if the impact of vertical winds on the building is taken into account. It not only created a threat for the building and its occupants but also the buildings and people nearby.

Mr. X is informed of these calculations by the student and her supervisor. However, Mr. X, meticulous as he is, has confidence on his work and detailed design. He looks at the issue seriously and spends time on the design. He indeed finds no flaw in his design and also notes that his design entails the use of welded rather than bolted beams. At the time he is negotiating the construction of another building where the issue of welded versus bolted metal beams is a sticking point. Mr. X. prefers welded beams as they are twice as strong as the requirements are. However, the engineering firm responsible for actual construction job and procuring the steel beams points out that double bolted beams are strong enough to meet the requirement, are cost effective and also fulfill the building code requirements. After the meeting Mr. X visits the Fictitious Corp building, and to his horror he realizes that bolted rather than welded beams have been used in the construction of the building. He asks for the design that his office has used after final approval. He notices that indeed the final designs show the use of bolted beams. These beams are classified as trusses which do meet the regulatory requirements but not the structural capacity as envisaged by Mr. X initially. He further enquires and is told that the engineering firm responsible for construction work had also given similar arguments about the sufficiency, cost effectiveness and regulatory

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

compliance of the bolted beams, which were accepted, and final design was passed by the buildings department. Mr. X goes into isolation and looks at the final building blueprint and compares it with the original. He quickly identifies the repercussions; the city faces a strong cyclone once in 16 years on an average. If such a cyclone was to hit, the building would sway and may collapse on the nearby buildings. He visits the building in the night again and realizes that a relatively small intervention on the 30th floor would resolve the issue. However, this would mean approaching the Fictitious Corp leadership and new construction approvals from the buildings department. It entails an almost certain risk of litigation and his license for practicing structural engineering being revoked.

(a) Identify the most pressing issues? Which ones would you address on priority?

(b) What would be your advice to Mr. X and Mr. Y.? Also, sufficiently clarify the reasons for such an advice. **(20)**

श्री X एक प्रसिद्ध वास्तुकार हैं। उन्हें एक भवन परियोजना को अभिकल्पित (डिजाइन) करने और उस कार्य पर आगे बढ़ने के लिए 500 करोड़ रुपये का एक अनुबंध प्राप्त हुआ है, जो न केवल वास्तुकला की दृष्टि से एक मील का पत्थर सिद्ध होगा, अपितु उसमें अभियांत्रिकी संबंधी चुनौतियाँ भी शामिल हैं, जिसका समाधान इस उद्योग की रूपरेखा को बदलकर रख देगा। यह भवन एक सफल कंपनी फिक्शियस कॉर्प का मुख्यालय बनेगा। इसके अध्यक्ष श्री Y अपनी कुशाग्रता के साथ-साथ गुस्से के लिए भी प्रसिद्ध हैं। ड्राइंग बोर्ड पर कुछ समय बिताने के बाद, श्री X को एक अभिनव डिजाइन सूझती है जो अपने आप में एक उत्कृष्ट कार्य है। उनके कार्यालय को योजना निर्माण और फिर इंजीनियरिंग फर्मों के साथ समन्वय करना था ताकि इसे पूर्णता तक निष्पादित किया जा सके। भवन का रिकॉर्ड समय में निर्माण किया जाता है और उसकी सरलता के लिए उसकी प्रशंसा की जाती है तथा विशेषज्ञ भी इसे इंजीनियरिंग सबंधी एक उपलब्धि के रूप में देखते हैं।

इसके निर्माण के छह महीने बाद, गणित में डॉक्टरेट करने वाली एक छात्रा सुश्री Z संरचनात्मक इंजीनियरिंग गणना पर अपने काम के लिए इस भवन का दौरा करती हैं। उनके मन में श्री X के काम के प्रति बहुत सम्मान है। हालांकि, वह पाती हैं कि उनकी गणना संरचनात्मक अखंडता की आवश्यकताओं को पूरा नहीं करती है जिसके लिए भवन की व्यापक रूप से प्रशंसा की जाती है। वह अनुभव करती हैं कि भवन की संरचना में कमी है जो संरचनात्मक सहारे के लिए प्रयुक्त बोल्टयुक्त बीम पर आधारित है; यदि भवन पर ऊर्ध्वाधर पवनों के प्रभाव को ध्यान में रखा जाए तो यह अपर्याप्त है। यह न केवल भवन और उसमें रहने वालों के लिए खतरा पैदा करता है बल्कि आसपास के भवनों और उनमें रहने वाले लोगों के लिए भी खतरा पैदा करता है।

छात्रा और उसके पर्यवेक्षक द्वारा श्री X को इन गणनाओं के बारे में सूचित किया जाता है। हालांकि, श्री X को अपने काम और विस्तृत डिजाइन पर विश्वास है। फिर भी, वह इस मुद्दे को गंभीरता से देखते हैं और डिजाइन पर पुनर्विचार के लिए पुनः समय देते हैं। वह वास्तव में अपनी डिजाइन में कोई दोष नहीं पाते हैं और यह भी ध्यान देते हैं कि उनके डिजाइन में बोल्टयुक्त बीम के बजाय वेल्डेड बीम का अपरिहार्य उपयोग किया गया है। उस समय वह एक

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

और भवन के निर्माण कार्य पर आगे बढ़ रहे थे, जिसमें वेल्डेड बनाम बोल्टयुक्त धातु की बीम का मुद्दा पेंच फंसाए हुए था। श्री X वेल्डेड बीम पसंद करते थे क्योंकि वेल्डेड बीमें आवश्यकता जितनी मजबूत होती हैं। हालांकि, वास्तविक निर्माण कार्य और इस्पात की बीम की खरीद के लिए जिम्मेदार इंजीनियरिंग फर्म कहती है कि डबल बोल्टयुक्त बीमें आवश्यकता पूरी करने के लिए पर्याप्त मजबूत और लागत प्रभावी होती हैं तथा साथ ही भवन-निर्माण संहिता की आवश्यकताओं को भी पूरा करती हैं। बैठक के बाद श्री X फिक्शियस कॉर्प के भवन का दौरा करते हैं और उन्हें अनुभव होता है कि भवन के निर्माण में वेल्डेड के बजाय बोल्टयुक्त बीम का उपयोग किया गया है। श्री X वह डिजाइन माँगते हैं जिसका उनके कार्यालय ने अंतिम अनुमोदन के बाद उपयोग किया था। वह पाते हैं कि वास्तव में अंतिम डिजाइन में भी बोल्टयुक्त बीम का उपयोग हुआ है। इन बीमों को टेक के रूप में वर्गीकृत किया गया था जो विनियामकीय आवश्यकताओं को तो पूरा करती हैं लेकिन संरचनात्मक क्षमता को नहीं जैसा कि शुरू में श्री X द्वारा परिकल्पना की गई थी। वह आगे पूछताछ करते हैं और उन्हें बताया जाता है कि निर्माण कार्य के लिए जिम्मेदार इंजीनियरिंग फर्म ने भी बोल्टयुक्त बीम की पर्याप्तता, लागत प्रभावशीलता और नियामकीय अनुपालन के बारे में भी इसी तरह के तर्क दिए थे, जिन्हें स्वीकार किया गया था तथा भवन विभाग द्वारा अंतिम डिजाइन को पास किया गया था। श्री X एकांत में चले जाते हैं तथा भवन के अंतिम निर्माण ब्लूप्रिंट पर नजर डालते हैं और इसकी मूल डिजाइन के साथ तुलना करते हैं। उन्हें जल्दी ही दूरगामी परिणाम के बारे में पता चल जाता है; शहर को औसतन 16 वर्ष में एक बार प्रबल चक्रवात का सामना करना पड़ता है। अगर भविष्य में इस तरह का चक्रवात भवन से टकराता है तो भवन हिल जाएगा और आसपास के भवनों पर गिर सकता है। वह रात में फिर से भवन का दौरा करते हैं और अनुभव करते हैं कि 30वीं मंजिल पर एक अपेक्षाकृत छोटा सा हस्तक्षेप इस समस्या का समाधान कर देगा। हालांकि, इसका मतलब फिक्शियस कॉर्प के नेतृत्व से संपर्क करना और भवन-निर्माण विभाग से नया निर्माण अनुमोदन प्राप्त करना होगा। यह मुकदमेबाजी का लगभग निश्चित जोखिम अपरिहार्य बनाता है और संरचनात्मक इंजीनियरिंग की प्रैक्टिस करने का उनका लाइसेंस वापस ले लिया जाएगा।

(a) इस प्रकरण में सम्मिलित सर्वाधिक अहम मुद्दों की पहचान कीजिए? आप प्राथमिकता के आधार पर किसे संबोधित करेंगे?

(b) श्री X और श्री Y को आपकी क्या सलाह होगी? साथ ही, पर्याप्त रूप से इस तरह की सलाह के कारणों को स्पष्ट कीजिए।

बढ़ते पर्यावरणीय संकटों से बचने हेतु उच्च गुणवत्ता युक्त भवनों की आवश्यकता है, परन्तु लागत प्रभावी, भ्रष्टाचार आदि के कारण वे न केवल स्वयं की जान जोखिम में

जानते है अपितु इनके लिए भी खतरा उत्पन्न कर गलत व्यावसायिक नैतिकता प्रस्तुत करते है।

Stackholders
- श्री 'Y' अध्यक्ष फिक्सियसंश कॉर्प
- देशी 'Z' संरचनात्मक इंजीनियर
- अधिकारी व कर्मचारी – फिक्सियसंश कार्प
- आस-पास के निवासी
- भवन निर्माण विभाग
- निर्माणकारी इंजीनियरिंग फर्म
- मैं स्वयं 'X' वास्तुकार

मुद्दे

↳ श्री 'y' को भवन संबंधी सूचना देना

↓

'y' का गुस्से वाला स्वभाव

↓

भावनात्मक बुद्धिमता

Don't write anything this margin
(इस भाग में कुछ ना लिखें)

↳ अभियांत्रिकी सम्बन्धी चुनौतियाँ
↓
समय पर निर्माण करना
↓
गुणवत्तात्मक निर्माण करना

↳ भवन संरचना मे कमी को घोषित करना (ईमानदारी)

↳ कर्मचारियो व आस पास के निवासियो के जीवन का संकट (Art 21)

↳ निजी हितो का त्याग करना
↳ घोषितकरने पर लाइसेंस चला जाना

↳ विनियामकीय आवश्यकताओ और संरचनात्मक आवश्यकताओ की पूर्ति का संकट

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

उपरोक्त स्थिति में जीवन के अधिकार को सुरक्षित करने हेतु तत्काल प्रभाव से 30 वीं मंजिल के विकल्प का ब्लूप्रिंट तैयार करूँगा। इसे तत्काल प्रभाव से अन्य साथियों जैसे सुश्री 'Z' आदि से सलाह लेकर श्री 'Y' को प्रस्तुत करूँगा तथा पुरानी गलती को तथ्यात्मक रूप से स्वीकार करूँगा।

चूँकि वास्तुकार के रूप मे गलत निर्माण की जिम्मेदारी मेरी भी है तो आगे से ऐसा न हो इस हेतु प्रैक्टिस संस्था को भी पत्र लिखकर अवगत कराऊँगा। ईमानदारी व सत्यनिष्ठा से इस सुधार को करने से न केवल इनकी गलती को सुधारा जा सकेगा बल्कि संवेदनशीलता के कारण जनसामान्य भी इसे सराहेगी।

साथ, ही, भवन निर्माण विभाग को भी उनके मानदंडो मे आवश्यक सुधार हेतु कहूँगा ताकि ऐसी गलती से बचा जा सके। जहाँ तक प्रश्न मुकदमेबाजी का है तो पैशेवर कार्यों मे होने के कारण इससे बचना मुश्किल है जिसे मैं पूरी तरह स्वीकार करूँगा।

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

(B) Ms. X को सलाह :

(i) लोगो के जीवन की रक्षा हेतु भवन निर्माण मे आवश्यक संशोधन करे।

(ii) स्वयं की गलतियों को स्वीकार कर ही मनुष्य महान बनता है, — 'महावीर'
अत: गलती स्वीकार करे। तथा अपेक्षित सुधार करे।

(iii) भवन निर्माण विभाग को उसके मानदंडो मे सुधार हेतु सम्पर्क करे ताकि भविष्य मे ऐसी गलतियो से बच सके।

(iv) सम्बन्धित इंजीनियरिंग फर्म को भी अवगत कराये।

(v) Miss 'Z' को इस सम्बन्ध मे धन्यवाद दे।

Ms. Y को सलाह :

(i) Mr. 'X' को माफ करे।
'क्षमा वदन को चाहिए'

(ii) भावनात्मक बुद्धिमत्ता का उपयोग कर आवश्यक सुधार भवन मे करे।

(iii) Mr. 'X' को उनके Dedication तथा Commitment के कारण किसी भी कानूनी कार्यवाही मे न घसीटे।

(iv) उपरोक्त स्थितियो के निर्माण से न केवल X, Y, Z तीनो की समस्या समाधान होगा बल्कि उच्च नैतिक वातावरण भी निर्मित होगा।

8. In a recent survey around social and economic indicators, a certain state in the country was found grossly underperforming. The state is marred with the issues of poverty, hunger, social backwardness, lawlessness and underdevelopment. In about seven decades since gaining independence, this state has continued to perform poorly across various indices. In the past, the Chief Minister had set up a fact finding Committee to report on the chief causes of the backwardness of the State. After years of ground research and surveying, it was found that the one of the main causes of the state's backwardness was its huge population that amplified resource scarcity to unimaginable proportions. Taking a clue from the facts presented in the report, the State Cabinet constitutes a panel of policy makers to consider this question of growing population and suggest suitable revisions to the State's Population Policy. The Panel recommends legislating a Population Control Bill that has a contentious provision in the form of 'One Child' norm. You are the Chief of this Panel and the recommendations of the Panel require your approval to be tabled in the Chief Minister's Office.

In this context, answer the following questions:

(a) What are the ethical issues related to population control of a compulsory nature that you would consider before approving or rejecting the recommendation?

(b) What would be your course of action in the aforementioned case? Suggest reasons for the same. **(20)**

सामाजिक और आर्थिक संकेतकों के इर्द-गिर्द एक हालिया सर्वेक्षण में, देश में एक राज्य को बुरी तरह से आशा से कम प्रदर्शन करते हुए पाया गया। यह राज्य गरीबी, हंगर (भुखमरी), सामाजिक पिछड़ेपन, अराजकता और अल्पविकास की समस्याओं से ग्रसित है। स्वतंत्रता मिलने के बाद से करीब सात दशकों में यह राज्य विभिन्न सूचकांकों पर खराब प्रदर्शन करता आ रहा है। अतीत में, इस राज्य के मुख्यमंत्री ने राज्य के पिछड़ेपन के मुख्य कारणों पर रिपोर्ट देने के लिए एक तथ्यान्वेषी समिति का गठन किया था। वर्षों के जमीनी अनुसंधान और सर्वेक्षण के बाद, यह पाया गया कि राज्य के पिछड़ेपन का एक मुख्य कारण इसकी विशाल जनसंख्या है जिसने अकल्पनीय अनुपात में संसाधनों की कमी को बढ़ाया है। रिपोर्ट में प्रस्तुत किए गए तथ्यों से सुझाव लेते हुए, राज्य मंत्रिमंडल ने बढ़ती जनसंख्या के इस प्रश्न पर विचार करने और राज्य की जनसंख्या नीति में उपयुक्त संशोधन का सुझाव देने के लिए नीति-निर्माताओं का एक पैनल गठित किया। पैनल ने जनसंख्या नियंत्रण कानून बनाने की अनुशंसा की है जिसमें 'एक बच्चे' के मानदंड के रूप में एक विवादास्पद प्रावधान है। आप इस पैनल के प्रमुख हैं और पैनल की अनुशंसाओं को मुख्यमंत्री कार्यालय में प्रस्तुत करने के लिए आपके अनुमोदन की आवश्यकता है।

इस संदर्भ में, निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए:

(a) अनिवार्य प्रकृति के जनसंख्या नियंत्रण से संबंधित वे नैतिक मुद्दे क्या हैं जिन पर आप अनुशंसा को अनुमोदित करने या अस्वीकार करने से पहले विचार करेंगे?

(b) उपर्युक्त मामले में आपकी क्या कार्रवाई होगी? इसका कारण बताएँ।

संयुक्त राष्ट्र की एजेंसी के अनुसार 2027 तक भारत विश्व का सर्वाधिक जनसंख्या वाला देश बन जाएगा। इससे संसाधनो की बढ़ती प्रतिस्पर्धा तथा बढ़ता जनसांख्यिकी लाभांश दोनो ही रूपो मे सामने आएगा।

उपरोक्त केस स्टडी मे,

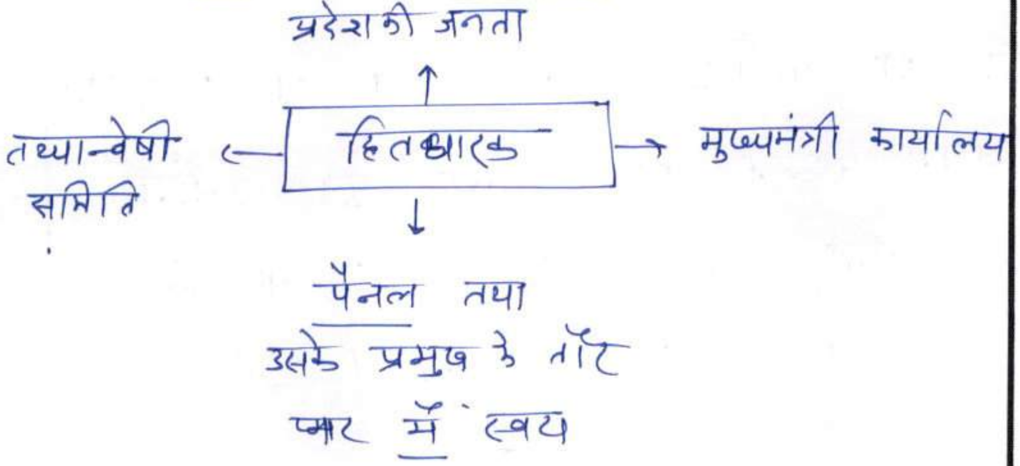

नैतिक मुद्दे:

- प्रकृतिजन्य कार्य मे हस्तक्षेप
- संसाधनो का समवितरण
- जनसंख्या नियंत्रण हेतु कानून निर्माण अथवा अनुनय विनय
- लिंगानुपात तथा लिंगचयन
- निजी सम्बन्धो मे कानून निर्माण
- पिछड़ापन दूर करने हेतु उपयुक्त विकल्प

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

→ उपर्युक्त नैतिक मुद्दे केस स्टडी में उभर कर आ रहे हैं। जिन पर विचार करना आवश्यक है। इसके अतिरिक्त, जनता की राय तथ्यों का पुनरीक्षण करना; प्रयासों की विफलता तलाश करना; जहाँ यह कानून है जैसे चीन, वहाँ के परिणामों का अध्ययन करना आदि को सम्मिलित कर उसे समिति/पैनल के समक्ष प्रस्तुत करूँगा तथा पुनः समीक्षा के पश्चात उचित निर्णय हेतु मुख्यमंत्री कार्यालय को प्रेषित करूँगा।

(b) उपर्युक्त मामले में सभी हितधारकों की भूमिका सम्मिलित होनी चाहिए। यह वर्तमान के साथ भविष्य की ओर भी संकेत करता है अतः 'एक बच्चा' जैसी कठोर जनसांख्यिकी नीति पर पुनर्विचार आवश्यक है।

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

इसके बजाय शिक्षा, स्वास्थ्य, जागरूकता जैसे विकल्पो पर अधिक ध्यान देना जरूरी है इस सम्बन्ध मे केरल, तमिलनाडु जैसे राज्यो का उदाहरण हमारे समक्ष है

इसके अतिरिक्त जो बन्ध्याकरण करावे उन्हे अधिक उपहार देकर भी इस नीति को लागू कर सकते है। राज्य का दायित्व नीति को बनाना व लागू करना ही नही अपितु नीति निर्माण को नागरिको के अनुकूल बनाना चाहिए।

चीन जैसे राष्ट्रो ने अपनी ऐसी नीति का परित्याग कर दिया है जो इसकी सततता को खतरे मे डालता है। अत: संसाधनो के उचित समवितरण हेतु अन्य विकल्पो पर जाना बेहतर होगा। नीति मे परिवर्तन कर एक के बजाय दो बच्चे उचित होगा। इससे वहां लिंगानुपात भी स्थिर रहने की संभावना रहेगी।

Don't write anything this margin
(इस भाग में कुछ ना लिखें)

9. You are working as a Divisional Forest Officer in an area which is home to tigers. Recently, there have been reports of a tiger venturing into agricultural fields and also killing livestock of villagers. Unfortunately, 2-3 villagers have been killed by some wild animals in last few weeks. Villagers claim that the tiger has killed their fellow villagers and request you to protect their lives and property by either relocating or killing the man-eater tiger. They also obstructed investigation of forest officials to ascertain whether it was the work of tiger or some other animals. Your attempts to trap the tiger have not been successful. Concerned over the delay in killing or relocating the tiger, villagers hire a private hunter to kill the tiger on their own and argue that they have a right to defend themselves and their property. In this context, answer the following questions:

(a) Identify the issues involved in this scenario.

(b) What steps would you take as the Divisional Forest Officer to ensure villagers' safety along with protection of tigers? **(20)**

आप एक ऐसे क्षेत्र में मंडल वन अधिकारी के रूप में कार्यरत हैं जो बाघों का निवास स्थल है। हाल ही में, खेतों में एक बाघ के घुसने और ग्रामीणों के पशुधन को नुकसान पहुँचने की खबरें आई हैं। दुर्भाग्य से, पिछले कुछ हफ्तों में कुछ जंगली जानवरों द्वारा 2-3 ग्रामीणों को मार डाला गया। ग्रामीणों का दावा है कि एक बाघ ने उनके साथी ग्रामीणों को मारा है और आपसे अनुरोध किया गया है कि या तो उस आदमखोर बाघ को स्थानांतरित करके या मार कर उनके जीवन और संपत्ति की रक्षा करें। उन्होंने यह पता लगाने के लिए वन अधिकारियों की जाँच में भी बाधा डाली कि यह बाघ का काम है या कुछ अन्य जानवरों का। बाघ को फंसाने या पकड़ने की आपकी कोशिशें सफल नहीं रही हैं। बाघ को मारने या स्थानांतरित करने में देरी से चिंतित होकर ग्रामीणों ने अपने दम पर बाघ को मारने के लिए एक निजी शिकारी की सेवाएँ ली हैं तथा उनका तर्क है कि उन्हें अपनी और अपनी संपत्ति की सुरक्षा करने का अधिकार है। इस संदर्भ में, निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए:

(a) इस परिदृश्य में शामिल मुद्दों की पहचान कीजिए।

(b) बाघों की सुरक्षा के साथ-साथ ग्रामीणों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए एक मंडल वन अधिकारी के रूप में आप क्या कदम उठाएंगे?

हाल के ~~पिछले~~ वर्षों मे खत्म होते वन्य आवासो व भोजन संकट के चलते वन्यजीवो व मानव संघर्ष मे वृद्धि हुई है।

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

नागरिक (ग्रामीण)

↑

वन अधिकारी ← हितधारक → बाघ

तथा मैं स्वयं

मण्डल वन अधिकारी

↓

निजी शिकारी

मुद्दे :

↳ ग्रामीणों के जीवन व संपत्ति की सुरक्षा (पशुधन)

↳ बाघ के जीवन का अधिकार

↳ कानून की अनुपालना – वन्य जीव सुरक्षा अधि० 1972 (निजी शिकारी)

↳ ग्रामीणों का आक्रोश को शांत करना (अनुनय विनय)

↳ सूचनाओं की अस्पष्टता (बाघ या अन्य जानवर)

↳ वन अधिकारियों की जाँच मे बाधा

↳ वन विभाग के कार्यों मे देरी से उपजा अविश्वास

↳ बाघों के खेतों मे आने के कारण

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

(b) एक मण्डल वन अधिकारी होने के कारण मैं निम्न कार्यवाही करूँगा।

कार्यवाही	क्यों?
सर्वप्रथम बाघ सम्बन्धी सूचना को पुष्ट करूँगा। (गश्ती दल, कैमरा ट्रैपिंग, पगमार्ग आदि विधियों से)	तथ्यात्मक व वस्तुनिष्ठ निर्णय हेतु
ग्रामीणों से व्यक्तिगत रूप से मिलकर उनको हुए नुकसान का आकलन करूँगा तथा इसके मुआवजे हेतु उच्चाधिकारियों को भेजूँगा	समानुभूति तथा उनकी आजीविका बनी रहे इस हेतु अन्यथा वो गलत कार्यों हेतु प्रवृत्त होंगे।
उन्हें वन विभाग के कर्मचारियों व अधिकारियों को सहायता करने हेतु प्रेरित करूँगा।	अनुनय विनय के माध्यम से। सभी को साथ लेकर चलना

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

कार्यवाही	आधार
- बाघ होने की दशा में उसे ट्रैंकुलाइज करवाकर उसे स्थानांतरित करूँगा तथा उच्चाधिकारियों को इस सम्बन्ध में अवगत कराऊँगा।	बाघ की रक्षा।
- ग्रामीणों की रक्षा हेतु स्थानीय प्रशासन के साथ मिलकर उन्हें रात्रिकालीन गश्त तथा प्रकाश की व्यवस्था प्रदान करूँगा। ताकि वे बाघ को न मारें।	ग्रामीणों के जीवन तथा संपत्ति की रक्षा।
- निजी शिकारी को तत्काल उस क्षेत्र को छोड़कर जाने का निर्देश दूँगा तथा उसे ऐसा न करने पर कानूनी कार्यवाही की चेतावनी दूँगा।	कानून की अनुपालना बाघ की जीवन रक्षा

Don't write anything this margin
(इस भाग में कुछ ना लिखें)

कार्यवाही	क्यों
ऐसी परिस्थितियां पुनः निर्मित न हो इस हेतु ग्रामीणों को रक्षा-प्रशिक्षण तथा जंगल मे बाघों के व्यवहार परिवर्तन पर अध्ययन हेतु उच्चाधिकारियों को लिखूँगा तथा इस हेतु स्वयं के स्तर पर भी समन्वयकारी दृष्टिकोण विकसित करूँगा।	भविष्य सम्बन्धी पहल।

पर्यावरण मनुष्य के जीवन का आधार है। जहाँ अनु.-21 मनुष्यों के जीवन का अधिकार है तो वहीं पशुओं को भी उनके जीवन का अधिकार है इस हेतु एक समग्र तथा सतत जीवन दृष्टि विकसित करने की आवश्यकता है जो मानव-पशु संघर्ष को कम से कम या शून्य कर सके।

Don't write anything this margin
(इस भाग में कुछ ना लिखें)

10. You are a District Magistrate of an area which has seen a huge surge in COVID-19 cases during the second wave of pandemic in India. The health infrastructure is already overburdened. Hospitals are overwhelmed, crematoriums and burial sites are regularly running out of space, and covid testing is struggling to meet the demand. Also, the vaccination drive is at the risk of going off-track due to the demand-supply mismatch. During this difficult time, you come to know that there are some people who are engaging in black marketing, hoarding and profiteering by using every trick in the book to cheat, ransom and swindle Covid-19 patients and their kin in the name of scarcity of drugs, oxygen and hospital beds.

Black marketing, hoarding and profiteering are a classic case of market failure, which highlights the significance of state intervention in a crisis situation. How can state effectively play the role of a regulator as well as service provider in such cases of market failure? **20**

आप एक ऐसे क्षेत्र के जिलाधिकारी हैं जिसने भारत में महामारी की दूसरी लहर के दौरान कोविड-19 के मामलों में भारी वृद्धि देखी। स्वास्थ्य अवसंरचना पर पहले से ही अधिक बोझ है। अस्पतालों में भीड़ लगी है, शवदाहगृहों और शवाधान स्थलों में नियमित रूप से जगह की कमी चल रही है तथा कोविड की जाँच संबंधी माँग पूरी नहीं हो पा रही है। साथ ही, माँग-आपूर्ति असंतुलन के कारण टीकाकरण अभियान का पटरी से उतरने का खतरा बना हुआ है। इस कठिन समय में, आपको पता चलता है कि कुछ लोग दवाओं, ऑक्सीजन और अस्पताल में बिस्तर की कमी के नाम पर कोविड-19 के रोगियों एवं उनके परिजनों को ठगने के लिए धोखा देने, धन ऐंठने और अन्य तरीकों से भी जालसाजी करने हेतु कालाबाजारी, जमाखोरी व मुनाफाखोरी में लिप्त हैं।

कालाबाजारी, जमाखोरी व मुनाफाखोरी बाजार की विफलता का एक आदर्श उदाहरण है, जो संकट की स्थिति में राज्य के हस्तक्षेप के महत्व को रेखांकित करता है। बाजार की विफलता के ऐसे मामलों में राज्य प्रभावी ढंग से कैसे विनियामक होने के साथ-साथ सेवा प्रदाता की भी भूमिका निभा सकता है?

उदारीकरण, निजीकरण तथा वैश्वीकरण की नीतियों को अपनाने के पश्चात (1991 में) राज्य ने अपनी भूमिका सेवा प्रदाता के बजाय विनियामक की अपना ली है।
परन्तु, कोविड में ले

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

अभूतपूर्व संकट, 2008 की मंदी आदि ने पुनः राज्य को अपनी भूमिका पर पुनर्विचार हेतु मजबूर किया है।

उपर्युक्त केस स्टडी मे

हितधारक
- जिले के नागरिक
- जिले की सरकारी कर्मचारी
- निजी संस्थान
- कालाबाजारी करने वाले
- मैं स्वयं जिलाधिकारी

उपर्युक्त केस स्टडी मे मुद्दे -

- कोविड मामलो मे वृद्धि
- स्वास्थ्य अवसंरचना - अस्पतालो मे दबाव
  - जाँचो की माँग मे पूर्ति न होना
  - टीकाकरण अभियान
- शवदाहगृह व शवाधान स्थलो मे कमी
- अस्पतालो मे कालाबाजारी, जमाखोरी, मुनाफाखोरी
- रोगियो के पास विकल्पहीनता
- प्रशासन पर बढ़ता दबाव तथा कार्यविधि मे चुनौतिया

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

कालाबाजारी, जमाखोरी, मुनाफाखोरी : बाजार की विफलता

एडम स्मिथ के सिद्धान्तो पर संचालित बाजार व्यवस्था मे कई अच्छी विशेषताओ जैसे - नवाचार, प्रतिस्पर्धा, विकल्पो का होना आदि के बावजूद कई नकारात्मक बिन्दु भी है।

जैसे—

कालाबाजारी — टैक्स चोरी कर सरकार की आय मे कमी करना।
→ बिना टैक्स दिए व्यापार करना

जमाखोरी → माल/वस्तुओ को एकत्रित कर कृत्रिम रूप से कीमते ऊपर नीचे करना
↳ गरीबो को हानिकारक रूप से प्रभावित होना

मुनाफाखोरी — जमाखोरी करके रखी वस्तुओ को ऊँची कीमतो पर बेचना।

ऐसे कारण से साधारण नागरिको का जीवन नकारात्मक रूप से प्रभावित होता है। उन्हे अतिआवश्यक सुविधाएँ भी नही मिल पाती। उपर्युक्त केस स्टडी मे चिकित्सा का अधिकार जो कि मूल अधिकार (का

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

~~जानाधिकार~~
(Art 21) है वो भी उपलब्ध नही हो पा रहा है। महँगाई बढ़ रही है।

अत: ऐसी परिस्थिति मे राज्य की भूमिका विनियामक से बढ़कर सर्विस प्रदाता की हो जाती है। हालांकि मुनाफाखोरी आदि रोकने हेतु आवश्यक वस्तु अधि., 1955, महामारी अधि. 1898, आपदा प्रबंधन अधि. 2005 भी है। परन्तु विभिन्न परिस्थितियो जैसे - भ्रष्टाचार, अप्रभावी क्रियान्वयन, जागरूकता मे कमी आदि के कारण यह पर्याप्त प्रभावी नही हो पाते।

कोविड मे प्रधानमंत्री गरीब कल्याण योजना के तहत राशन का वितरण, दाल वितरण, गॅस वितरण आदि ने राज्य की सर्विस प्रदाता की भूमिका को रेखांकित किया है।

स्वास्थ्य क्षेत्र मे मुफ्त टीकाकरण, मुफ्त उपचार तथा जाँच सुविधा आदि ने राज्य के ~~कल्याणकारी~~ स्वरूप को पुन: उभारा है।

Don't write anything this margin
(इस भाग में कुछ ना लिखें)

ऐसे देश जहाँ सुभेद्य वर्गों की बड़ी आबादी हो, भौगोलिक - सांस्कृतिक विविधता पर्याप्त हो, असमानता मौजूद हो जहाँ संसाधनों की सब तक पहुँच है अन्त्योदय की भावना का विकास हो वहाँ राज्य की भूमिका निर्णायक होती है।

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

11. You work as a marketing consultant for a multinational company that specializes in various products including nutrient supplements, diet pills etc. The company pays its employees extremely well and provides satisfactory fringe benefits. Your manager has hinted that he will recommend you for overseas company transfer, which will improve your job profile. This has motivated you to work harder and perform better.

The company has to advertise and sell a new weight loss pill 'X'. As per in-company research, it has minimal or no side effects and has no adverse impacts on health, which is its unique selling point (USP). You are given the responsibility of heading the marketing team for advertising pill 'X'. Due to a well-crafted marketing strategy including endorsement by a renowned celebrity, the product has generated considerable public attention. However, while working on an advertisement campaign for the pill, you find out that the in-company research findings of pill 'X' are fabricated. While it indeed has no side-effects, there are no proven benefits of taking the pill as well. It merely acts as a placebo.

When you bring up the issue with your manager, he promptly tells you to keep the facts to yourself. He also indirectly brings up the fact that your performance review date is approaching and hints that you will get transferred overseas if you prove your loyalty to the company.

Based on the given information, address the following:

(a) Identify the stakeholders in this situation.

(b) State the ethical issues that arise in this case.

(c) Discuss your options in this scenario and mention your next step.

(20)

आप पोषक तत्व पूरक आहार, डाइट पिल्स (आहार की गोलियों) आदि सहित विभिन्न उत्पादों में विशेषज्ञता प्राप्त एक बहुराष्ट्रीय कंपनी के लिए विपणन सलाहकार के रूप में काम करते हैं। कंपनी अपने कर्मचारियों को बहुत अच्छा वेतन देती है और संतोषजनक अतिरिक्त लाभ भी प्रदान करती है। आपके प्रबंधक ने संकेत दिया है कि वह आपकी विदेश में स्थित कंपनी में स्थानांतरण के लिए अनुशंसा करेगा, जिससे आपकी जॉब प्रोफाइल में सुधार होगा। इसने आपको और अधिक मेहनत तथा बेहतर प्रदर्शन करने के लिए प्रेरित किया है।

कंपनी को वजन घटाने वाली एक नई गोली 'X' का विज्ञापन और बिक्री करना है। अंत:-कंपनी अनुसंधान के अनुसार, इसका कम से कम या कोई दुष्प्रभाव नहीं है और इसका स्वास्थ्य पर कोई प्रतिकूल प्रभाव नहीं पड़ता है, जो इसकी विक्रय की खास खूबी है। आपको गोली 'X' का विज्ञापन करने के लिए विपणन टीम का नेतृत्व करने की जिम्मेदारी दी जाती है। एक प्रसिद्ध सेलिब्रिटी द्वारा विज्ञापन सहित अच्छी तरह से तैयार की गई विपणन रणनीति के कारण, इस उत्पाद ने जनता का काफी ध्यान आकर्षित किया। हालांकि, इस गोली के लिए एक विज्ञापन अभियान पर काम करते हुए, आपको पता चलता है कि गोली 'X' का अंत:-कंपनी अनुसंधान निष्कर्ष मनगढ़ंत या जाली है। हालांकि, इसका वास्तव में कोई दुष्प्रभाव नहीं है, लेकिन इस गोली का कोई प्रमाणित लाभ भी नहीं है। यह केवल प्रायोगिक औषध के रूप में कार्य करती है।

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

जब आप यह मुद्दा अपने प्रबंधक के सामने लाते हैं, तो तुरंत आपको तथ्यों को अपने तक सीमित रखने के लिए कहा जाता है। परोक्ष रूप से यह इंगित किया जाता है कि आपके प्रदर्शन की समीक्षा की तारीख निकट आ रही है और संकेत दिया जाता है कि यदि आप कंपनी के प्रति अपनी निष्ठा सिद्ध करेंगे तो आपको विदेश स्थानांतरित कर दिया जाएगा।

दी गई जानकारी के आधार पर, निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए:

(a) इस स्थिति में हितधारकों की पहचान कीजिए।

(b) इस प्रकरण में उत्पन्न होने वाले नैतिक मुद्दों का उल्लेख कीजिए।

(c) इस परिदृश्य में अपने विकल्पों की विवेचना कीजिए और अपने अगले कदम का उल्लेख कीजिए।

सार्वजनिक जीवन मे निजी हित बना सार्वजनिक हित अथवा सत्यनिष्ठा जैसे मूल्य संघर्ष आते है। इन्ही समय मे किसी व्यक्ति की पहचान उसके नैतिक निर्णयों से होती है।

उपर्युक्त केस स्टडी भी ऐसी ही जिसमे हितधारक निम्न है -

a) ~~स्वयं तथा~~ कपंनी प्रबंधक 'X'

b) कंपनी का ग्राहक वर्ग

c) कंपनी का शेयरहोल्डर्स

d) सरकारी कानून तथा इनके अनुपालक

e) मैं- विपणन सलाहकार (कंपनी मे)

f) सेलिब्रिटी

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

(b) नैतिक मुद्दे

↳ निजी हित व सार्वजनिक हित मे द्वन्द्व

↳ सरकारी कानून का दुरूपयोग

↳ असत्य का प्रचार करना

↳ सेलिब्रिटी की जानकारी के अभाव मे उससे प्रचार करवाना

↳ औषधि से दुष्प्रभाव होने पर नैतिक जिम्मेदारी का अभाव

↳ निजी लाभ से वंचित होना

↳ (ईमानदारी तथा सत्यनिष्ठा)

(c)

विकल्प – 1: Manager की बात मानना

+ive	-ive
* निजी लाभ होगा। प्रमोशन तथा विदेश मे स्थानांतरण।	* जनहितो की उपेक्षा
* कंपनी की साख बनी रहेगी	* सत्यनिष्ठा तथा ईमानदारी का अभाव

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

विकल्प : 2 - इसे जनता के समक्ष उद्घाटित करूं

+ive	-ive
* सत्य जनता के समक्ष आएगा।	* कंपनी के हितो पे नकारात्मक प्रभाव
* स्वयं को ईमानदार बनाकर रखूंगा।	* निजी अहित

विकल्प : 3 - कंपनी के उच्चाधिकारियों को अवगत करा

+ive	-ive
* उचित स्तर पर शिकायत	* पूर्णतः समाधान नही
* सत्य बात करने की संतुष्टि	* उपभोक्ताओं के अहित का जारी रहना।

मेरा कदम :

↳ सर्वप्रथम उपर्युक्त दवा सम्बन्धी तथ्यो को जुटाऊँगा तथा उच्चाधिकारियों को अवगत कराऊँगा।

(कंपनी के नियमो का पालन तथा सत्यनिष्ठा)

Don't write anything this margin
(इस भाग में कुछ ना लिखें)

↳ यदि वहाँ से उपर्युक्त कार्यवाही नही होती है तो मैं सेलिब्रिटी सहित संबंधित कानूनी ऐजेंसियो को अवगत कराऊंगा। (as a whistle blower)
(ताकि जन अधिकारों की रक्षा हो सके)

↳ मैं निजी हितो को दरकिनार रखकर पूर्ण रूप से सत्यनिष्ठा, ग्राहक केन्द्रितता जैसे कॉरपोरेट गवर्नेंस के मुद्दों को केन्द्र मे लाने का प्रयास करूंगा। तथा

Don't write anything this margin
(इस भाग में कुछ ना लिखें)

12. The COVID-19 pandemic has forced universities, schools and other educational institutions around the world to shut down their campuses indefinitely and move their educational activities onto online platforms. These institutions were not prepared for such a transition and their online teaching-learning process evolved gradually. Though students considered online learning advantageous because of flexibility and convenience, there have been reports that the students prefer learning in physical classrooms to online education. The students feel that online education is stressful and affects their health and social life. Moreover, not all students have equal access to, and expertise on, digital technologies. Although these inequalities existed earlier, the COVID-19 pandemic has exposed this digital divide. Considering yourself as the Chairman of a Committee, constituted by the government, to suggest measures to improve the quality and accessibility of online education, answer the following questions:

(a) What are the key ethical issues at stake here?

(b) Highlight the principles and values that will guide your recommendations to the government.

(c) Suggest measures to improve the quality and accessibility of online education in the country. **(20)**

कोविड-19 महामारी ने दुनिया भर के विश्वविद्यालयों, स्कूलों और अन्य शैक्षिक संस्थानों को अनिश्चित काल के लिए अपने परिसरों को बंद करने तथा अपनी शैक्षिक गतिविधियाँ ऑनलाइन प्लेटफॉर्म्स पर स्थानांतरित करने के लिए मजबूर किया है। ये संस्थान इस तरह के संक्रमण के लिए तैयार नहीं थे और उनकी ऑनलाइन शिक्षण-अधिगम प्रक्रिया धीरे-धीरे विकसित हुई। हालांकि, छात्र लचीलेपन और सुविधा के कारण ऑनलाइन लर्निंग को लाभप्रद मानते हैं, लेकिन इस बात की रिपोर्टें आई हैं कि छात्र ऑनलाइन शिक्षा की तुलना भौतिक कक्षाओं में पढ़ना अधिक पसंद करते हैं। छात्रों को लगता है कि ऑनलाइन शिक्षा तनावपूर्ण है और उनके स्वास्थ्य एवं सामाजिक जीवन को प्रभावित करती है। इसके अलावा, सभी छात्रों की डिजिटल प्रौद्योगिकियों तक समान पहुँच और विशेषज्ञता नहीं है। हालांकि, ये असमानताएं पहले भी मौजूद थीं, लेकिन कोविड-19 महामारी ने इस डिजिटल खाई को उजागर कर दिया है। अपने आप को ऑनलाइन शिक्षा की गुणवत्ता और पहुँच में सुधार लाने के उपाय सुझाने के लिए सरकार द्वारा गठित समिति का अध्यक्ष मानते हुए, निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए:

(a) यहाँ दांव पर लगे प्रमुख नैतिक मुद्दे क्या हैं?

(b) सरकार को की जाने वाली अपनी अनुशंसाओं का मार्गदर्शन करने वाले सिद्धांतों और मूल्यों पर प्रकाश डालिए।

(c) देश में ऑनलाइन शिक्षा की गुणवत्ता और पहुँच में सुधार लाने के उपायों का सुझाव दीजिए।

(a)

छात्र
↑
शैक्षणिक संस्थान तथा online platforms ← हितधारक → सरकार
↓
समिति अध्यक्ष के तौर पर में स्वयं

नैतिक मुद्दे :

* छात्रों के स्वास्थ्य की प्राथमिकता या शिक्षा की प्राथमिकता
* भौतिक शिक्षा या online शिक्षा प्रदान करना
* मानसिक रूप से स्वस्थ छात्र वर्ग का होना
* लंबे समय से शिक्षण से दूर होने से शिक्षा से मानसिक अलगाव
* शिक्षा का तनावपूर्ण होना
* सामाजिक जीवन का प्रभावित होना
* डिजिटल गैप का होना
* डिजिटल शिक्षा की गुणवत्ता व पहुँच का न होना

(b)

सिद्धान्त

- सभी को समान शिक्षा व्यवस्था
- समावेशी तथा सर्वसुलभ शिक्षा
- Art 21 A की रक्षा
- मूल्यपरक तथा बहुमुखी विकास की शिक्षा।
  - नैतिक
  - आध्यात्मिक
  - मानसिक
  - शारीरिक
- ग्रामीण - शहरी - अन्तराल कम करे।
- प्रायोगिक तथा रुचिकर शिक्षा
- समता तथा बन्धुत्व बढ़ाने वाली शिक्षा।
  - बाध्यकारी सर्पक
- 21 वीं सदी के अनुरूप सामाजिक कौशल आधारित शिक्षा - कम्प्यूटर, विज्ञान
  soft-skill युक्त शिक्षा।

Don't write anything this margin
(इस भाग में कुछ ना लिखें)

(c) उपाय

- शिक्षकों को प्रशिक्षण दिया जाए।
- नेटवर्क की पहुँच में वृद्धि
- डिजीटल गॅप कम हेतु छात्रों को मुफ्त Tablet तथा Data प्रदान किया जाए।
- तकनीक को आसान तथा user friendly बनाया जाए।
- सुदूर क्षेत्रों हेतु रेडियो आधारित शिक्षा की शुरुआत, टेलीविजन आधारित शिक्षा।
- रोचक तथा रुचिकर रूप में शिक्षा प्रदान की जाए।

इस प्रकार ऑनलाइन शिक्षा एक बड़े बदलाव के साथ गुणवत्तात्मक शिक्षा को सुदूर क्षेत्रों तक पहुँचाया जा सकता है जो SDG-4 के लक्ष्य की पूर्ति करवाने में सक्षम है।

Don't write anything this margin
(इस भाग में कुछ ना लिखें)